**Grants-in-AID to Film Societies**

1985. SHRI G. PRATHAPA KEDDY: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) what is the amount of grants-in-aid that has been given to the various film societies during the last three years with their names:

(b) what is the criteria on which the societies were selected for grants-in-aid;

(c) whether any review and evaluation of the utilisation of the amount of grants has been made; and

(d) if so, what are the results thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) and (b) Government of India has released grants-in-aid to the Federation of Film Societies of India for the development of film societies movement in India, during the last three years as under:—

| | | |
|---|---|---|
| 1990-91 | . . | Rs. 2.70 lakhs |
| 1991-92 | . . | Rs. 3.00 lakhs |
| 1992-93 | . . | Rs. 3.00 lakhs |

(c) No Sir.

(d) Does not arise.

**दिल्ली दूरदर्शन का एक चैनल मुफ्त में आरंभ करने के लिये स्टार टी० वी० का प्रस्ताव**

1986. **श्रीमती कमला सिन्हा**: क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि स्टार टी.वी. ने अपने उपग्रह के माध्यम से दिल्ली दूरदर्शन के लिये एक चैनल मुफ्त में आरंभ करने हेतु एक प्रस्ताव भेजा है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

**सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के.पी. सिंह देव)** : (क) स्टार टेलीविजन ने अपने उपग्रह के माध्यम से दिल्ली दूरदर्शन पर एक चैनल शुरू करने का कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

**दूरदर्शन को राजस्व की हानि**

1987. **श्री अजीत जोगी**: क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को दूरदर्शन की वाणिज्यिक और कार्यक्रम संबंधी नीति में संशोधन न कर पाने के कारण राजस्व की हानि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या दूरदर्शन की वाणिज्यिक और कार्यक्रम संबंधी नीति में संशोधन करने की कोई योजना है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

**सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के.पी. सिंह देव)** : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) और (घ) वाणिज्यिक संहिता और दरों की समीक्षा एक सतत् प्रक्रिया है और यह समय समय पर की जाती है।

1988. [*Transferred to 18th August, 1993.*]

**पहाड़ी क्षेत्रों में कम शक्ति वाले ट्रांसमीटर (एल० पी० टी) स्थापित करना**

1989. **श्री महेश्वर सिंह**: क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्हें इस बात की जानकारी है कि पहाड़ी प्रान्तों की भौगोलिक